❶

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

# आर्य सन्देश



दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

वर्ष 41, अंक 52 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 15 अक्तूबर, 2018 से रविवार 21 अक्तूबर, 2018

विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119

दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8

फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh


समस्त देशवासियों को
विजय दशमी – दशहरा
पर्व की
हार्दिक शुभकानाएँ

## अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018

**25 से 28 अक्टूबर 2018**

## आर्यजनों के स्वागत हेतु दिल्ली तैयार : कार्यकर्ताओं में भरपूर उत्साह

# राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी करेंगे सम्मेलन का उद्घाटन

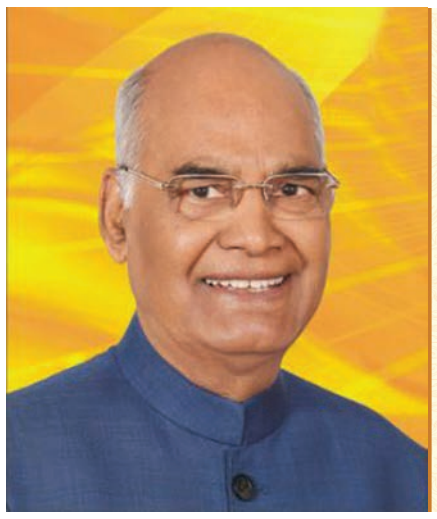



**उद्घाटन समारोह**

**25 अक्टूबर 2018 प्रातः 11:15 बजे**

मुख्य अतिथि

**श्री राम नाथ कोविन्द**
भारत के माननीय राष्ट्रपति

विशिष्ट अतिथि

आचार्य देवव्रत
(माननीय राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश)

श्री गंगा प्रसाद
(माननीय राज्यपाल, सिक्किम)

डॉ. सत्यपाल सिंह
(माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री)

स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती
(माननीय संसद सदस्य, सीकर)

## श्री राजनाथ सिंह जी होंगे समापन समारोह में मुख्य अतिथि

## विभिन्न वैदिक विद्वानों एवं मूर्धन्य संन्यासियों का प्राप्त होगा आशीर्वाद, मार्गदर्शन एवं सान्निध्य



**दैनिक यज्ञ, योग एव प्रणायाम, स्वाध्याय, भजन-प्रवचन-स्सवर वेदपाठ, व्यायाम प्रदर्शन, कवि सम्मेलन, विभिन्न विषयों पर गोष्ठियां, विश्व शान्ति एवं मानव कल्याण एकता महायज्ञ में हजारों महानुभावों की भागदारी जैसे अनेकों प्रकल्प होंगे विशेष आकर्षण**


## श्री राजनाथ सिंह जी होंगे समापन समारोह में मुख्य अतिथि


उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए आने वाले समस्त आर्य महानुभाव सुरक्षा व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखें। माननीय राष्ट्रपति जी के आगमन के कारण सुरक्षा व्यवस्था बहुत ही सख्त होगी। दिल्ली एवं आस-पास से पधारने वाले महानुभावों से विशेष निवेदन है कि दिनांक 23 अक्तबर को ही सम्मेलन स्थल पर पहुंचकर अपने पंजीकरण करा लेवें। कृपया अपने आधार कार्ड/किसी भी सरकार पहचान पत्र की मूल प्रति एवं स्वयं हस्ताक्षरित फोटोप्रति अवश्य साथ लाएं। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देश आपकी सुविधा के लिए नीचे दिए गए हैं।

निवेदक

**सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा**

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1

### सुरक्षा निर्देश –

1. समारोह हेतु जारी निमन्त्रण पत्र अहस्तांतरणीय है और एक व्यक्ति के प्रवेश हेतु है। 2. निमन्त्रण पत्र दिल्ली की सभी संस्थाएं **पश्चिम दिल्ली में** (श्री ओम प्रकाश आर्य 9540077858), **पूर्वी दिल्ली में** (श्री अशोक कुमार गुप्ता 9810781188), **द. दिल्ली में** (श्री चतर सिंह नागर 9211501545), **उ. पश्चिम दिल्ली में** (श्री सतीश सिंहल 9810092682) **म. दिल्ली में** (श्री सुशील त्रिपाठी 9540064824), **उत्तर दिल्ली में** ( श्री प्रेम सचदेवा 9811122320) से प्राप्त करें। 3. कृपया प्रात: 9 बजे से पूर्व अपना स्थान ग्रहण कर लें। विलम्ब से पहुंचने सुरक्षा व्यवस्था के कारण कुछ अधिक समय लग सकता है। अत: समय से पूर्व पहुंचें। 4. कृपया मूल निमन्त्रण पत्र लिफाफे सहित और पहचान के लिए पहचान पत्र/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस अथवा मतदाता पहचान पत्र/आधार कार्ड अपने साथ लाएं। 5. कृपया अपने साथ ब्रीफकेस/हैंडबैग/किसी भी तरह का हथियार/कैमरा/ इलेक्ट्रोनिक गैजेट इत्यादी न लाएं। 6. कृपया समारोह के अन्त में राष्ट्रपति जी के प्रस्थान से पहले अपना स्थान न छोड़ें। 7. सुरक्षा निर्देशों के अनुपालन में सहयोग प्रदान करें। उद्घाटन समारोह के कार्ड प्राप्त करने हेतु **श्री विपिन भल्ला जी (9540086759)** से सम्पर्क करें।

## वेद-स्वाध्याय

# ईश्वरीय शक्ति

**यदाकूतात् समसुस्रोद्धृदो वा मनसो वा संभृतं चक्षषो वा।**
**तदनु प्रेत सुकृतामु लोकं यत्रऽऋषयो जग्मुः प्रथमजाः पुराणाः।।** यजु. 18/58
ऋषि : **विश्वकर्मा।।** देवता - **अग्नि।।** छन्दः **निचृदार्षीजगती।।**

**शब्दार्थ** - **यत्** = जो शक्ति-बिन्दु **आकूतात्** = आत्मिक ईक्षण से, आत्मिक सङ्कल्प से **सं असुस्रोत्** = अच्छी तरह चुआ है, विनिपतित हुआ है और **हृदः वा** = या तो हृदय से, बुद्धि से **मनसः वा** = या मन से **चक्षुषः वा** = या आंख (आदि इन्द्रिय) से चूए हुए इसे **सं भृतम्** = तुमने सम्यक्तया धारण कर लिया है तो **तत् उ** = इसे ही लेकर **अनुप्रेत** = चल पड़ो, पीछे हो लो, इस प्रकार तुम **सुकृतां लोकम्** = इस श्रेष्ठ कर्मवालों के लोक को पहुंच जाओगे **यत्र**= जहां, जिस लोक को **प्रथमजाः** = तुमसे पहले उत्पन्न हुए **पुराणाः** = पुराने **ऋषयः** = ऋषि लोग **जग्मुः** = पहुंचते रहे हैं।

**विनय**- उस लोक को उड़ने का, उस लोक में पहुंचने का मार्ग बड़ा सहज हो जाता है, यदि किसी तरह हमारी वैयक्तिक प्रकृति उस ओर झुक जाए, उस ओर प्रवृत्त हो जाए, उधर चलने लगे; हठयोग की भाषा में, यदि किसी तरह हमारी कुण्डलिनी शक्ति का जागरण हो जाए, क्योंकि उस अवस्था में हम बरसती हुई ईश्वरीय शक्ति के धारण करने के योग्य हो जाते हैं, तब हमें ईश्वरीय-शक्ति का एक बिन्दुमिल जाना पर्याप्त होता है। उस एक ही शक्ति-बिन्दु को लेकर हमारी वैयक्तिक प्रकृति (शक्ति) चल पड़ती है और हमें बड़ी आसानी से हमारे ध्येय तक पहुंचा देती है। प्रभु की दया होने पर यह शक्ति-बिन्दु 'आकूत' से आत्मिक ईक्षण व आत्मिक सङ्कल्प से चूता है, गिरता है। इस शक्ति-बिन्दु का निपात अपनी आत्मा के आकूत से या बहुधा दूसरी किसी बलवान महान् आत्मा (गुरु) के आकूत से हुआ करता है। यह शक्ति-निपात आकूत से आकर गुरु के हृदय से या मन से या आंख से प्रकट होता है। गुरु इस शक्ति को या तो अपने हृदय से शिष्य के हृदय में डालते हैं, या अपने मनसे शिष्य के मन में, या कभी अपनी आंख से ही शिष्य की आंख में इसका संचार कर देते हैं। ऋषियों ने बताया है, आत्मा का निवास सुषुप्ति में हृदय में होता है, स्वप्न में मन में और जाग्रत् में दक्षिणाक्षि में होता है। जो हो, परमगुरु परमेश्वर की कृपा होने पर 'आकूत' द्वारा नाना प्रकार से शक्ति का विनिपात हुआ करता है और अधिकारी आत्मा (शिष्य) इसे अपने में अच्छी तरह धारण, संभृत कर लेता है। धन्य हैं वे पुरुष जिन्हें भगवान् का ऐसा आशीर्वाद प्राप्त होता है। भाइयो! यदि तुम्हें कभी कोई शक्ति-निपात प्राप्त हुआ है और तुमने उसे संभृत कर लिया है तो तुम उसे ही लेकर चल पड़ो, निःशंक होकर चल पड़ो और समझो तुम्हें साफ़-सीधा चौड़ा मार्ग मिल गया है। निश्चय से तुम अपने अभीष्ट लोक को पहुंच जाओगे, उस सुकृतों के लोक को, श्रेष्ठ कर्मवालों के लोक को पहुंच जाओगे जहां तुमसे पहले पैदा हुए पुराने सब ज्ञानी ऋषि लोग पहुंचते रहे हैं।

**-: साभार :- वैदिक विनय**

**वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

## सम्पादकीय

# क्योंकि महासम्मेलन आपका अपना है

***....आप सभी इस महासम्मेलन के गणमान्य अतिथि हैं आप सभी इसका हिस्सा ही नहीं बल्कि आयोजक भी हैं। यही आर्यों की ताकत एवं हमेशा से एकता और कार्यशैली भी रही है। एक बार फिर विश्व भर से आये आर्य एक ऐसी ही इबारत लिखने जा रहे हैं। इसी अपेक्षा में कुछ अनुरोध भी और विनती भी कि महासम्मेलन आपका अपना है इसके व्यवस्थापक आप स्वयं हैं। आप सभी जानते हैं भारी संख्या में आर्यजनों की उपस्थिति होने वाले है तो कुछ व्यवस्थाओं को सँभालने में आप स्वयं आगे आयेंगे।.....***

आर्यों के महाकुम्भ की 6 वर्षो के इंतजार की घड़ियाँ लगभग खत्म हुई। अब महासम्मेलन के उद्घाटन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। समूचे देश-विदेश के आर्यो में महासम्मेलन का हिस्सा बनने की खुशी की लहर दिखाई पड़ रही है। महासम्मेलन स्थल की बात करें तो पंडालों से लेकर यज्ञशाला तक आवास से लेकर भोजनालय तक बड़ी तेज गति से कार्य चल रहा हैं। निकटवर्ती आर्य समाजों और आर्य संस्थाओं से आर्यजन महासम्मेलन स्थल पर अपने श्रमदान से लेकर सभी प्रकार के सहयोग के साथ जायजा लेने भी पहुँच रहे हैं। आप सब भलीभांति परिचित होंगे कि ऐसे महान कार्य सभी के सहयोग और प्रेरणा से होते हैं, सहयोग में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता हर किसी का अपने-अपने स्तर पर अपना सराहनीय योगदान होता है। योगदान को लेकर हमारे यहाँ तो एक कहावत भी है कि जब लंकापति रावण से युद्ध के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम राम समुन्द्र पर सेतु बनवा रहे थे। जहाँ सभी लोग बड़े-बड़े पत्थर उठाकर ले जा रहे थे तब एक गिलहरी भी अपनी पूंछ से मिट्टी के कुछ कण सेतु पर झाड रही थी। कहावत भले ही पौराणिक हो किन्तु योगदान की द्रष्टि से देखें तो शिक्षाप्रद भी मानी जा सकती हैं।

आप सभी इस महासम्मेलन के गणमान्य अतिथि हैं आप सभी इसका हिस्सा ही नहीं बल्कि आयोजक भी हैं। यही आर्यो की ताकत एवं हमेशा से एकता और कार्यशैली भी रही है। एक बार फिर विश्व भर से आये आर्य एक ऐसी ही इबारत लिखने जा रहे हैं। इसी अपेक्षा में कुछ अनुरोध भी और विनती भी कि महासम्मेलन आपका अपना है इसके व्यवस्थापक आप स्वयं हैं। आप सभी जानते हैं भारी संख्या में आर्यजनों की उपस्थिति होने वाले है तो कुछ व्यवस्थाओं को सँभालने में आप स्वयं आगे आयेंगे। हालंकि व्यवस्थाओं का बड़ा अच्छा प्रबंध किया जा रहा है पर कई बार जरा-जरा सी चूक एक बड़ी अव्यवस्था का कारण बन जाती है।

जैसे सफाई और स्वच्छता हमारी अपनी नैतिक जिम्मेदारी है जितना साफ स्वच्छ हमारा सम्मेलन स्थल होगा उतना ही आर्य समाज और आर्यो की महक दूर तक जाएगी। यानि हम सबको मिलकर एक दूसरे के सहयोगी बनकर इतना अच्छा उदाहरण पेश करना होगा ताकि महासम्मेलन के पश्चात् कोई भी मीडिया कर्मी प्रश्न न उठाएं और पार्क के प्रबन्धक स्वच्छता के मामले में सभी आर्यो का आभार व्यक्त करें। यह महासम्मेलन समस्त आर्य जाति का गौरव है। एक दूसरे की सहायता और सम्मान कर इस गौरव और अधिक बढ़ाएं। दूसरी व्यवस्था भोजन की होती है इसका भी काफी अच्छे से प्रबंध किया गया है, किन्तु अव्यवस्था तब सामने खड़ी हो जाती है जब लोग खाते कम हैं और थालियों प्लेटों में छोड़ते ज्यादा हैं। इससे एक तो खाने का बहुत बड़ा हिस्सा बर्बाद चला जाता, दूसरा कई बार कुछ लोग भूखे रह जाते हैं। इस व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सबसे उपयुक्त कदम यही है कि इतना ही ले थाली में कि व्यर्थ न जाये नाली में। हमारी भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता माना गया है और यही कारण है कि भोजन झूठा छोड़ना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है।

प्रबंध की इसी दृष्टि से आवास बहुत ही उपयोगी व्यवस्था होती है इसकर भी समस्त आगन्तुकों के हिसाब से प्रबंध बड़े अच्छे से किया गया है। किन्तु अव्यवस्था तब होती है जब असूचित लोग ज्यादा हो जाते हैं। कई बार लोग ये सोचते हैं कि मेरे साथ एक आदमी ज्यादा है तो प्रबंध हो जायेगा जो सही भी है लेकिन जब ऐसा ही अनेकों लोग सोच लेते हैं तब संख्या में वृद्धि होकर अव्यस्था हो जाती है। इस व्यवस्था में लोग एक दूसरे का सहयोग करके अपने स्थान साझा करके एकता और अपनत्व का माहौल पैदा कर सकते हैं। ऐसे ही सभी व्यवस्था में एक-दूसरे के सहयोगी बनकर हम सब एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं यह अपने आप में अनुभव भी है कि जिम्मेदारियों को कैसे बांटकर हर चीज को सुव्यवस्थित किया जाता है, बहुत से महानुभाव ऐसे हैं जिन पर अतिरिक्त कार्यभार है वह लोग सभी कार्यों की सूची बना ले जैसे शीघ्र किए जानेवाले महत्त्वपूर्ण कार्य, महत्त्वपूर्ण परंतु धीमी गति से किए जाने वाले कार्य उनमें शीघ्रता से किए जानेवाले महत्त्वपूर्ण कार्य को प्रथम करने पर बल दीजिए। तत्पश्चात्, क्रमशः अगला कार्य योजनाबद्ध ढ़ंग से करते जाइए। इस पद्धति से कार्य करने पर आपका कार्य सरल हो जाएगा। प्रेमपूर्वक अन्य लोगों का सहयोग लें तथा सहयोग दें।

उपलब्ध समय का सदुपयोग करने का विचार करें तथा प्रतीक्षाकाल को ईश्वर का वरदान समझें। हड़बड़ी न करें कई बार हड़बड़ी में भी अव्यवस्था पैदा हो जाती है। हाथ में लिया हुआ कार्य अधिकाधिक उत्तम रीति से पूर्ण करने का प्रयास करें। प्रत्येक बात ध्यान से सुनें, कोई संदेश लेते देते समय वह ठीक से समझ गए हैं, यह निश्चित करें। किसी व्यक्ति को संदेश देते समय यह निश्चित करें कि वह व्यक्ति उस संदेश को भलीभांति समझ गया है। सब व्यवस्थाओं के बाद भी आपको कुछ तकलीफ हो सकती है आप स्वयं सम्मेलन का भाग ऐसा मानकर ही उसको दूर करने का प्रयास करें ध्यान रखें आप सब ही आयोजक हैं और आप सब ही आगन्तुक क्योंकि महासम्मेलन आपका अपना है। स्वयं अतिथि से अधिक आथित्य देने वालों की भावना महत्त्वपूर्ण है। अपनी सुख-सुविधा से अधिक या पहले दूसरों को वह प्रदान करें। इस आर्यत्व भाव की आवश्यकता है। यदि ऐसा है तो सम्मेलन क सफलता की जो संभावनाएं हैं उससे अधिक हम पायेंगे।

- ***सम्पादक***

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16 | मुद्रित मूल्य 50 रु. | प्रचारार्थ 30 रु. | प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं |
| ● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16 | मुद्रित मूल्य 80 रु. | प्रचारार्थ 50 रु. | |
| ● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8 | मुद्रित मूल्य 150 रु. | | प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन |

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

विश्व शान्ति, राष्ट्र सेवा तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वाह के नए संकल्पों के साथ

# अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018

आर्यसमाज का उद्देश्य संसार का उपकार करना है अर्थात् मनुष्य मात्र की उन्नति करना। किन्तु यह तभी सम्भव है जब प्रत्येक व्यक्ति सत्य को माने, असत्य को त्यागे। परमात्मा की वाणी वेदज्ञान के विरुद्ध प्रचलित - अंधविश्वास से संसार को मुक्त कराने, सत्य सनातन धर्म से जन सामान्य को अवगत करवाने के लिए आर्यसमाज की स्थापना की गई।

सदियों के घोर अंधकार के बाद स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने 'लौटो वेदों की ओर' का नारा देकर हमें एक नई राह दिखाई ताकि मानव, भटकाव से बचकर अपने मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ सके तथा यह कार्य निरन्तर चलता रहे, इसी उद्देश्य से उन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।

आर्य समाज ने अपने स्थापना काल से ही गलत परम्पराओं और रुढ़िवाद के विरुद्ध शंखनाद किया। फलस्वरूप जहां एक ओर आर्यसमाज के संगठन का विस्तार हुआ वहीं अवैदिक परम्परा, कुरीतियों तथा अंधविश्वासों का स्थान तर्कपूर्ण आचरण ने ले लिया। आर्यसमाज एक ऐसी विचारधारा रही है जिसने जब जो समस्या देखी उसके खिलाफ शंखनाद किया व समाज का नेतृत्व किया। इस भावना से सम्बन्ध रखने वाले महानुभाव बड़ी संख्या में उससे स्वतः जुड़ते चले गए।

इसी प्रकार आर्य समाज ने निरन्तर राष्ट्र तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थापना से अब तक विश्व के परिदृश्य में अनेक परिवर्तन आ चुके हैं तथा वे निरन्तर जारी हैं। हमें इन परिवर्तनों के अनुरूप अपने आपको तैयार करके मानव जाति को जोड़ना होगा ताकि हम आने वाली चुनौतियों का सामना संगठित होकर कर सकें। किसी भी संगठन की शक्ति उसके मार्गदर्शक और कार्यकर्ता होते हैं और उनका आदेश पाकर ही हम तदनुरूप कार्य कर सकते हैं। इसी भावना से आर्यसमाज की ओर पूरा समाज देखता रहा। आज आर्यसमाज का विस्तार भारत के बाहर अनेक देशों में हो रहा है। आर्यसमाज की उसके स्थापना काल से बहुत अधिक आवश्यकता वर्तमान में समाज और राष्ट्र को है। इसलिए संगठन को सुदृढ़ बनाने और इसके विस्तार की महती आवश्यकता है। उसी तारतम्य और उद्देश्य को लेकर आर्यसमाज के इतिहास में अनेक महासम्मेलनों का आयोजन हुआ। डरबन, लन्दन, अमेरिका, अजमेर, अलवर, मथुरा, मॉरीशस, मुम्बई, दिल्ली, हरिद्वार आदि में जिनको लोग आज भी स्मरण करते हैं तथा उत्साहित होते हैं। इसी कड़ी में सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में इस आर्य महासम्मेलन- 2018 का आह्वान किया गया है ताकि हम आने वाली पीढ़ी के समक्ष आर्य समाज के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य को रख सकें, जिससे युवा पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त हो सके और यह नारा हमारे कार्यों में निरन्तर गूंजता रहे' कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'।

आर्य समाज के माध्यम से राष्ट्र एवं समाज की सेवा करने के नए कार्यक्रमों की तैयारी हेतु यह महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक क्षण पर आप सभी का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद हमें वांछित है, जिससे आने वाले समय में आर्यसमाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा सके तथा हम प्रत्येक मानव तक यह सन्देश पहुँचा सकें।

आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप 25, 26, 27 एवं 28 अक्टूबर 2018 को दिल्ली में भारी संख्या में पधारकर समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

देश और समाज में जो परिवर्तन आते हैं उनके परिणाम समाज के लिए क्या होंगे, मानव समाज के एक जवाबदार संगठन होने के नाते ये देखना भी हमारा ही कार्य है। अन्यथा होने वाली हानि की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हाल ही में धारा 377 पर दुर्भाग्यवश आया उच्चतम न्यायालय का निर्णय भी आपत्तिजनक व विचारणीय है। चाहे समस्या जनसंख्या के सामाजिक असन्तुलन की हो, चाहे नव विवाहितों में एक बच्चे की बढ़ती प्रवृत्ति हो। हमें इन सब पर विचार करना ही होगा कि आखिर इसका क्या परिणाम होगा। साथ ही जिस प्रकार से अंधाधुंध तरीके से हम पृथ्वी का दोहन कर रहे हैं - कोयला, खनिज, पैट्रोलियम आदि निकाल-निकालकर हम इसे खोखला कर रहे हैं इससे एक ओर हमारी पृथ्वी असन्तुलित हो रही है, तो दूसरी ओर ये सभी तत्त्व जलकर हमारे वायुमंडल का तापमान और प्रदूषण बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। आखिर पृथ्वी इसका बोझ कब तक सह सकेगी? यह भी हमें ही सोचना है।

ऐसे ही अनेक ज्वलंत मुद्दों पर गहन चिंतन करके समाधान की ओर ले जाने का मंच बनेगा यह अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन। आईए! इन सभी विषयों पर भविष्य के लिए विचार करें ताकि हम एक सुनहरे भविष्य का बेहतर निर्माण करने में सहायक हों।

## सम्मेलन में विचारणीय कुछ मुख्य विषय

- संस्कारित परिवार - समाज निर्माण
- जनसंख्या का सामाजिक/वैचारिक असंतुलन-एक नए खतरे का संकेत
- आर्ष गुरुकुलों की स्थिति पर चिन्तन
- आर्य जाति का विभाजन - राजनीति का शिकार
- मानव निर्माण का आधार
- मानव की आवश्यकता - अध्यात्म एवम् योग
- विश्व स्तर पर असंतुलित लिंग अनुपात
- बदलते सामाजिक एवं नैतिक मूल्य-समाधान क्या और कैसे?
- निरन्तर बढ़ता प्रदूषण - मानव जाति के लिए चुनौती- यज्ञ एवं सौर ऊर्जा सर्वोत्तम समाधान
- शिक्षा - केवल रोजगार या मानव उन्नति का साधन
- बढ़ती नशा प्रवृत्ति - जिम्मेदारी कानून की या समाज की
- अंधविश्वासों का बढ़ता विश्वव्यापी व्यापार - निराकरण हेतु हमारी भूमिका : जनचेतना
- धार्मिक भ्रष्टाचार निरोधक कानून ही उपाय
- गोरक्षा, आयुर्वेद, धर्मान्तरण, तुष्टीकरण
- जातिभेद की बढ़ती दीवारें - समाज, संस्कृति व राष्ट्र के लिए घातक
- वैदिक वर्ण व्यवस्था -वास्तविक मनुवाद
- आर्यसमाज - नए युग में प्रवेश - दृष्टि २०२४-२०२५
- सोशल नेटवर्किंग - समाज में बदलाव-सुधार या बिखराव
- मानव सम्बन्ध - न्यायालयीय आदेश/निर्देश - स्वीकार्यता
- घर-घर पहुंचाएं वेद सन्देश - छूटे न विश्व का कोई देश
- एकाकी संतान - बच्चे तथा परिवार के विकास के लिए घातक
- दूषित अन्न - स्वास्थ्य का शत्रु - जीरो बजट खेती-एक समाधान
- एक मंदिर एक शमशान-तभी होगा भारत महान
- आर्यसमाज की भावी कार्य पद्धति व योजना
- संकल्प सत्र एवं आओ करें, कल की बातें
- हिन्दी व संस्कृत की वर्तमान स्थिति पर चिन्तन

## आर्यसमाज द्वारा विश्व कल्याणार्थ विशिष्ट योजनाओं का लोकार्पण

- बाल साहित्य से वैदिक मन्तव्यों का प्रचार
- वेद एवं सत्यार्थ प्रकाश का ऑडियो सीडी (हिन्दी-अंग्रेजी)
- शिक्षाप्रद एनिमेशन फिल्मों का लोकार्पण
- आर्य समाज की सोशल मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) परियोजना
- प्रोजेक्ट - शिक्षा संस्कार (भारत के आदिवासी क्षेत्रों में) : शिक्षा क्रान्ति अभियान
- आर्य प्रतिभा विकास महाशय धर्मपाल संस्थान
- सहयोग परियोजना
- अन्तर्राष्ट्रीय आर्य समाज शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र
- आर्य समाज मीडिया सेन्टर
- विचार टीवी द्वारा नए वृत्तचित्रों का लोकार्पण
- वैदिक प्रचारक प्रकल्प
- अनेक नए उपयोगी ग्रन्थों का लोकार्पण
- घर-घर यज्ञ हर घर यज्ञ

## सम्मेलन में आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम एवं आकर्षण

- योगासन एवं प्राणायाम
- प्रातः एवं सायंकालीन सामूहिक संध्या एवं वृहद् यज्ञ
- अन्धविश्वास निर्मूलन पर जादूगर का विशिष्ट शो
- ताम्रपत्रों पर अंकित विश्व की एकमात्र सत्यार्थ प्रकाश का प्रदर्शन
- आर्य समाज के इतिहास/बलिदान की सच्ची घटनाओं पर आधारित नाटिकाओं का मंचन
- सस्वर वेद पाठ
- विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियां
- समीचीन विषयों पर विचार गोष्ठियां
- वृहद् आर्य वीर दल शाखा एवं अभिनव व्यायाम प्रदर्शन
- आर्यसमाज के ऐतिहासिक परिपेक्ष एवं भविष्य को इंगित करता लेजर शो
- मधुर एवं क्रान्तिकारी गीतों की भजन संध्या एवं विराट कवि सम्मेलन
- विभिन्न भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में वैदिक प्रवचन एवं यज्ञ
- विभिन्न देशों में फैली आर्य समाज की गतिविधियों / विरासत की जानकारी
- सभी वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं / शंका समाधान सत्र
- आजीवन निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सम्मान
- वेद में विज्ञान, यज्ञ विज्ञान, वैदिक कृषि, शाकाहार तथा अन्य विषयों पर कार्यशालाएं/विशेष व्याख्यान
- यज्ञ विज्ञान पर कार्यशाला

## महासम्मेलन में आमन्त्रित देश

| | | | |
|---|---|---|---|
| अमेरिका | जर्मनी | बंग्लादेश | सूरीनाम |
| म्यांमा (बर्मा) | कनाड़ा | गयाना | बैल्जियम |
| फिजी | ब्रिटेन | हॉलैंड | तंजानिया |
| मॉरीशस | जमाइका | कीनिया | त्रिनिडाड |
| दक्षिण अफ्रीका | मलेशिया | न्यूजीलैंड | पाकिस्तान |
| नेपाल | चैक गणराज्य | भूटान | युगांडा |
| जापान | आर्मिनिया | सिंगापुर | दुबई |
| फ्रांस | ऑस्ट्रेलिया | थाईलैंड | वैस्टइंडिज |

## विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 1927 ई0 | दिल्ली | 12. | 1973 ई0 | मॉरीशस |
| 2. | 1931 ई0 | बरेली | 13. | 1978 ई0 | नैरोबी (केन्या) |
| 3. | 1933 ई0 | अजमेर | 14. | 1980 ई0 | लन्दन |
| 4. | 1938 ई0 | शोलापुर | 15. | 1982 ई0 | द. अफ्रीका (डरबन) |
| 5. | 1944 ई0 | दिल्ली | 16. | 1990 ई0 | दिल्ली |
| 6. | 1948 ई0 | कलकत्ता | 17. | 1994 ई0 | दिल्ली |
| 7. | 1951 ई0 | मेरठ | 18. | 1997 ई0 | दिल्ली |
| 8. | 1954 ई0 | हैदराबाद | 19. | 2000 ई0 | बम्बई |
| 9. | 1961 ई0 | दिल्ली | 20. | 2002 ई0 | हरिद्वार |
| 10. | 1968 ई0 | हैदराबाद | 21. | 2006 ई0 | दिल्ली |
| 11. | 1972 ई0 | अलवर | 22. | 2007 ई0 | शिकागो (अमेरिका) |
| 23. | 2008 ई0 | मॉरीशस | | | |
| 24. | 2009 ई0 | सूरीनाम | | | |
| 25. | 2010 ई0 | नीदरलैंड | | | |
| 26. | 2012 ई0 | दिल्ली | | | |
| 27. | 2013 ई0 | दक्षिण अफ्रीका | | | |
| 28. | 2014 ई0 | सिंगापुर-थाईलैंड | | | |
| 29. | 2015 ई0 | आस्ट्रेलिया | | | |
| 30. | 2016 ई0 | नेपाल | | | |
| 31. | 2017 ई0 | म्यांमार (बर्मा) | | | |
| 32. | 2018 ई0 | दिल्ली | | | |

## गुरुवार, दिनांक 25 अक्टूबर, 2018

ओ३म् ध्वजारोहण : प्रातः 10:15 बजे
संकल्प : ओ३म् ध्वजा फहरे घर-घर पर

**मुख्य पण्डाल**

### उद्घाटन समारोह

प्रातः 10:30 बजे से 1:30 बजे

मानव उत्थान एवं विश्व शान्ति के लिए समर्पित सतत् आन्दोलन - आर्यसमाज

1 मानवीय मूल्यों का प्रेरक - आर्यसमाज
2 आर्यसमाज की स्थापना : नए युग का आरम्भ
3 आज के जीवन में आर्यसमाज की प्रासंगिकता
4 आर्यसमाज का गौरवशाली इतिहास - क्रान्तिकारी परिवर्तन एवं प्रेरणा

### वेद सम्मेलन

दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक

विश्वशान्ति एवं मानव निर्माण का एकमात्र मार्ग - वेद

1 मानवीय सम्बन्ध और वेद (धारा 377 की समाप्ति - आखिर ये सन्देश किसके लिए?)
प्रेरणा : ईश्वर प्रदत्त प्राकृतिक नियमों तथा मानवोचित व्यवहार का आधार वेद।
2 वेद वाणी को जन वाणी बनाया महर्षि दयानन्द ने (धन्य है तुमको हे ऋषि)
प्रेरणा : वेद किसी काल, वर्ग व स्थान विशेष के लिए नहीं अपितु सार्वभौमिक, सार्वकालिक व सार्वजनीन है।
3 वेद और विज्ञान
प्रेरणा : समस्त भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान का आधार है वेद।
4 वैश्विक आतंकवाद का समाधान - केवल वेद के द्वारा
प्रेरणा : मनुर्भव का सन्देश देते हुए सम्पूर्ण मानवजाति के कल्याण व सुख-शान्ति का आधार है वेद।
ले चलें शिखर की ओर 'लघु नाटिका'

### अन्ध विश्वास निवारण सम्मेलन

सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

आर्यसमाज के कार्यकर्ता बनें - अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलन्द करें

1 अंधविश्वास से अपार हानियाँ-ऐतिहासिक परिपेक्ष में।
प्रेरणा : पाप क्षमा की भ्रान्ति फैलाने वाले पूजापाठ से मुक्त कराएँ समाज को।
2 वर्तमान में बढ़ रहे अन्धविश्वास के निवारण में आर्य समाज का दायित्व।
प्रेरणा : धर्म के नाम पर होने वाले व्यापार का विरोध योजनाबद्ध रूप से करके जनता को गुमराह होने से बचाएं
3 धार्मिक भ्रष्टाचार-निरोधक कानून की आवश्यकता।
प्रेरणा : आर्यसमाज के कार्यकर्ता बनें - अन्धविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलन्द करें

### आर्यवीर सम्मेलन

सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे

राष्ट्र और आर्यसमाज का उज्ज्वल भविष्य : आर्य वीर दल

1 युवा कार्यकर्ता निर्माण 2 वर्तमान चुनौतियां एवं आर्य वीर दल
3 आर्य वीर एवं सेवा कार्य 4 आर्य वीरांगनाओं का दायित्व
5 आर्य वीर दल की प्रचार योजना: समायोजन एवं कार्यक्रम
6 आर्य वीर दल का गौरवशाली इतिहास
7 आर्यवीर दल - आर्यसमाज की सशक्त भुजा

### भजन एवं गीत संध्या

रात्रि 9:00 से 11:00 बजे

आर्यसमाज के युवा संगीतज्ञों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति
महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज, प्रेरणा, ईश्वर भक्ति एवं शान्ति गीत

### आर्य संगीत सम्मेलन

आर्यसमाज के युवा संगीतज्ञों द्वारा आकर्षक प्रस्तुति
विषय: महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज, प्रेरणा, ईश्वर भक्ति एवं शान्ति गीत।

## शुक्रवार, दिनांक 26 अक्टूबर, 2018

### निरन्तर क्रियाशील आर्यसमाज

प्रातः 10:30 बजे से प्रात:11:30 बजे

आर्यसमाज की उन्नति, विस्तार, आधुनिकीकरण और भविष्य की चुनौतियों एवं आवश्यकताओं को देखते हुए चलाई गई नई योजनाओं का परिचय

### संस्कृति एवं सामाजिक संचेतना सम्मेलन

सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्थाओं के बिगड़ते ताने-बाने के विषय में चिन्तन

प्रातः 11:30 से दोपहर 1:30 बजे

1 अपसंस्कृति का विस्तार-विलुप्त होते वैदिक संस्कार
प्रेरणा : अपनी सन्तानों में डालें शुभ संस्कारों के बीज (मदर्स-डे/फादर्स-डे - वर्ष में केवल एक दिन के लिए नहीं।)
2 जातिवाद - मानवता पर कलंक (समग्र हिन्दू समाज के चिन्तन का विषय)
प्रेरणा : वैदिक वर्ण व्यवस्था में जातिवाद के अभिशाप से बचने के लिए कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था अपनाएं।
3 दिशाहीन सोशल मीडिया समाज व राष्ट्र के लिए घातक
प्रेरणा : युवाओं को अपभ्रंश सोशल मीडिया दूर रखने की आवश्यकता।
4 बिना सन्तान अथवा एकाकी सन्तान से परिवार की संकल्पना - समाज व राष्ट्र के लिए घातक
प्रेरणा : समृद्ध एवं मजबूत परिवार का निर्माण करें।
5 संस्कृति का आधार - संस्कृत भाषा
प्रेरणा : संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत के पठन-पाठन की योजना प्रत्येक आर्यसमाज अपनाए।

### आर्य महिला सम्मेलन

परिवारों के बदलते परिवेश एवं नारी की विशिष्ट भूमिका को लेकर विस्तार से चिन्तन

दोपहर 2:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

1 आर्यसमाज के विस्तार में नारी की अहम् भूमिका
प्रेरणा : स्त्री विमर्श के नाम पर नर-नारी के मध्य खाई न बढ़ने दें।
2 नारी सम्मान के क्षेत्र में आर्यसमाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका
प्रेरणा : एक आन्दोलन के रूप में करना होगा भ्रूण हत्या का विरोध।
3 हाउस वाईफ नहीं होममेकर है नारी (गृहिणी गृहमुच्यते)
प्रेरणा : महिलाओं को दें पूर्ण सम्मान - नारी ही है परिवार निर्माण का आधार।
4 परिवार, समाज व राष्ट्रोत्थान की धुरी नारी
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द द्वारा बताए मार्ग से नारी उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाएं।
5 दो पाटों के बीच पिसती आज की नारी
प्रेरणा : नारी अबला नहीं योद्धा है-हर परिस्थिति में सक्षम नारी।
6 वैदिक पारिवारिक व्यवस्था को ध्वस्त करने के गम्भीर षड्यंत्र (लिव - इन - रिलेशनशिप, समलैंगिकता को स्वीकृति, एकांकी सन्तान की प्रवृत्ति तथा बढ़ते हुए तलाक)
प्रेरणा : वर्तमान जीवन शैली में परिवर्तन लाकर परिवार के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं

### विश्वशान्ति एवं मानव कल्याण एकता महायज्ञ

(हजारों यज्ञ प्रशिक्षित याज्ञिकों द्वारा)

घर-घर यज्ञ - हर घर यज्ञ

(कार्यक्रम का प्रसारण मुख्य पण्डाल में स्क्रीन पर किया जाएगा।)

सायं 4:00 से 6:00 बजे

1 यज्ञ से सम्बन्धित वैज्ञानिक शोध परिणामों प्रदर्शन 2 आर्यसमाज की शोध टीम का परिचय
3 यज्ञ द्वारा विशिष्ट सूर्य विज्ञान प्रदर्शन 4 महाशय धर्मपाल जी यज्ञ का सन्देश - बच्चों के नाम

### लघु नाटिका

सायं 6:00 बजे

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन के अन्तिम दृश्य पर आधारित लघु नाटिका

### महर्षि दयानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

महर्षि दयानन्द जी के उत्तमतम व्यक्तित्व को और निकटता से देखें और अपने जीवन का उद्देश्य निर्धारित करें

सायं 7:00 से रात्रि 9:00 बजे

1 महर्षि दयानन्द के स्वप्न एवं हमारे कर्त्तव्य तथा दायित्व
प्रेरणा : महर्षि दयानन्द के मिशन से जुड़कर स्वयं के जीवन का निर्माण करें एवं अन्यों को आर्य बनाने का संकल्प लें।
2 महर्षि जी की कालजयी कृति - सत्यार्थ प्रकाश
प्रेरणा : व्यक्तिगत जीवन प्रबन्धन, समाज प्रबन्धन एवं राष्ट्र निर्माण के सूत्रों का ज्ञान व प्रचार-प्रसार।
3 महर्षि दयानन्द द्वारा प्रदत्त मानव कल्याण के स्वर्णिम सूत्र (आर्यसमाज के दस नियम)
प्रेरणा : मानवमात्र के सर्वांगीण विकास के आधार हैं ये दस नियम।
4 महर्षि दयानन्द और मनुस्मृति
प्रेरणा : मानव समाज के प्रथम संविधान मनुस्मृति को महर्षि ने पूर्ण प्रामाणिकता दी।

### विराट कवि सम्मेलन

राष्ट्र एवं मानव जाति के समक्ष उपस्थित समस्याओं का काव्यमय चिन्तन एवं आह्वान

रात्रि 9:00 बजे से

## शनिवार, दिनांक 27 अक्टूबर, 2018

### राष्ट्र चिन्तन सम्मेलन

राष्ट्र की वैदिक अवधारणा

प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे

राष्ट्र एवं विश्व के समक्ष उपस्थित जन समस्याओं की चर्चा एवं समाधान

1 धर्मान्तरण : संस्कृति एवं राष्ट्र को विघटित करने का विश्वव्यापी षड्यन्त्र
प्रेरणा : परिवारों में धर्म, दर्शन एवं संस्कृति की शिक्षा द्वारा सनातन धर्म की महत्ता को प्रतिपादित किया जाए।
2 एकत्व ही श्रेयस्कर (एक देश, एक संविधान, एक समान नागरिक संहिता)
प्रेरणा : राष्ट्र के संसाधनों एवं सुविधाओं का लाभ सभी नागरिकों को समान रूप से प्राप्त हो तथा सभी के लिए न्याय एवं दंड विधान समान हो।
3 जनसंख्या के सामाजिक असंतुलन के विस्फोटक परिणाम।
प्रेरणा : जनसंख्या वृद्धि राष्ट्र के लिए घातक है-जनसंख्या नियन्त्रण का कानून सभी के लिए समानरूप से लागू हो।
4 भारत व भारतीयता को नष्ट करने के प्रयास में अराष्ट्रीय तत्व।
प्रेरणा : आतंकवादियों और राष्ट्रविरोधी तत्त्वों को दिया जाने वाला समर्थन व सहयोग राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में लाया जाए।

### विश्व आर्यसमाज सम्मेलन

विश्वपटल पर आर्यसमाज
''कृण्वन्तो विश्वमार्यम्'' - लक्ष्य - बढ़ते कदम

दोपहर 1:30 बजे से सायं 4:00 बजे

समस्त विश्व से पधारे आर्यजनों को उद्बोधन

1 वेद की सार्वभौमिक शिक्षाएं ही विश्व शान्ति एवं सौहार्द का एक मात्र आधार
प्रेरणा : विश्व के समस्त देशों में वेद का सन्देश पहुँचाने का संकल्प लें।
2 विश्व के अन्य देशों के राष्ट्रीय उत्थान में आर्यसमाज की भूमिका।
प्रेरणा : अन्य देशों में आर्यसमाज को पहुँचाने की योजना बनाकर 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' के स्वप्न को साकार करें। विश्व की समस्त आर्यसमाजों की गतिविधियों से परिचित होकर परस्पर कार्य करें।
3 ऊर्जा के गहराते वैश्विक संकट में वेदों की उपादेयता
प्रेरणा : ऊर्जा के वैश्विक संकट का निदान वेदों में वर्णित ऊर्जा के स्रोतों के माध्यम से ही सम्भव।

## आर्य परिवार सम्मेलन

आर्यसमाज को मजबूत करेंगे आर्य परिवार

सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे तक

1 आर्य बने पूरा परिवार

प्रेरणा : आओ आर्यसमाज को अपना मित्र बनाएं तथा आर्यपरिवारों के आपसी सम्बन्धों को बढ़ावा दें।

2 हमारा जीवन आर्यत्व से पूर्ण हो

प्रेरणा : हम मन से, वाणी से और कर्म से आर्य धर्म को अपनाएं।

3 आर्य परिवार-धरती पर स्वर्ग

प्रेरणा : 'स्वर्ग कामो यजेत्' की भावना से ओत-प्रोत होकर 'पंचमहायज्ञों' को जीवन में अपनाएं।

## आर्यवीर दल, गुरुकुलों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन

शारीरिक एवं मानसिक उन्नति का साधन - व्यायाम

सायं : 4:00 से 6:00 बजे

(विभिन्न प्रान्तों से पधारे आर्य वीरों एवं गुरुकुलों द्वारा आकर्षक व्यायाम कलाओं का प्रदर्शन)
पथ संचालन, सर्वांगसुन्दर व्यायाम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, सामूहिक तलवार, सामूहिक भाला, नियुद्धम्, तलवार विशेष, भाला विशेष, आसन स्तूप, मलखम्भ, जिम्नास्टि, डोरी मल्खम्भ, कमाण्डो, कैलोजियम - आर्य वीरांगनाओं द्वारा, कल्लरी, विभिन्न वाद्य यन्त्रों की प्रस्तुति

## लेजर शो

सायं 6:30 बजे से 7:30 बजे

सृष्टि उत्पत्ति से आज तक की परिस्थितियां तथा भविष्य की दृष्टि एवं संकल्प

## आर्यसमाज सेवाकार्य सम्मेलन

संसार का उपकार करना, आर्यसमाज का मुख्य उद्देश्य की मूल भावना के साथ

आयोजित : सेवा कार्य पहुंचे घर-घर तक

सायं 7:00 बजे से 9:00 बजे

1 आर्यसमाज और इसका छठा नियम

प्रेरणा : प्रत्येक आर्यसमाज में सेवा कार्य ईकाई का गठन हो व समय-समय पर सेवा कार्य किए जाएं।

2 आदिवासियों के योगक्षेम व गौरववद्धि के लिए खड़ा है आर्य समाज

प्रेरणा : प्रत्येक आर्यसमाज अपनी ओर से अ. भा. दयानन्द सेवाश्रम संघ से जुड़कर योगदान दे।

3 प्राकृतिक आपदाओं के समय बढ़ाओ हाथ-मिले आर्यसमाज का साथ

प्रेरणा : आर्यसमाज का हो संकल्प - दान, सेवा और पुरुषार्थ।

## विशिष्ट भजन संध्या

रात्रि 9:00 बजे से 11:00 बजे

## रविवार, दिनांक 28 अक्टूबर, 2018

संकल्प सत्र : प्रातः 10:00 से 11:00 बजे

आओ संकल्प लें

सम्मेलन हम सब में आगे कार्य करने की प्रेरणा का संचार करें

- समाज की उन्नति का
- वेद (ज्ञान) के प्रचार का
- स्वयं के उत्थान का
- राष्ट्र के उत्थान का
- संगठन की उन्नति का
- ऋषिग्रन्थों के स्वाध्याय का

## अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन समापन सत्र

प्रातः 11:00 से दोपहर 2:30 बजे

महर्षि दयानन्द जी के जन्म के 200 वर्ष (2024)
एवं आर्यसमाज की स्थापना के 150 वर्ष (2025) के लक्ष्य
को लेकर भविष्य की पूर्ण रूपरेखा की प्रस्तुति एवं
आर्यसमाज के संगठन के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं द्वारा संकल्प की अभिव्यक्ति एवं सम्मान

1 नवजागरण के पुरोधा - ऋषि दयानन्द का चिन्तन - हमारी शक्ति का प्रेरणा पुँज

प्रेरणा : महर्षि दयानन्द के आदर्शों का करें अनिवार्य रूप से पालन।

2 वैदिक सिद्धान्तों की दृढ़ता : जीवन निर्माण का उपाय

प्रेरणा : वैदिक सिद्धान्तों का दृढ़ता के साथ पालन करें।

3 वैदिक धर्म का संरक्षक - आर्य समाज

प्रेरणा : वैदिक धर्म को विश्व व्यापक बनाने के लिए आर्यसमाज को मजबूत करें।

4 व्यक्तिगत जीवन के उच्च मापदण्डों का प्रेरक - आर्यसमाज

प्रेरणा : आर्यसमाज के जीवन मूल्यों को जीवन में अपनाएं।

5 राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में आवश्यक प्रस्ताव

प्रेरणा : संकल्प हो आर्यजनों का - विश्व व्यापक हो ज्ञान वेद का ।

6 आर्यसमाज के भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा

प्रेरणा : आर्यशक्ति हो उत्साहित - बने अग्रणी आर्यसमाज।

धन्यवाद प्रस्ताव

# अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के विभिन हॉल की जानकारी

**H1 बालवीर हकीकत राय सभागार** — बच्चों का कोना (किड्स जोन): इस हॉल में आर्य परिवारों के छोटे बच्चों के लिए आर्य समाज के इतिहास में पहली बार बनाई गई नैतिक शिक्षा की एनिमेशन मूवीज़, कॉमिक्स, खेल एवं बाल संस्कार देने की सुन्दर व्यवस्था बनाई गई है। आर्य परिवार अपने बच्चों को कुछ समय के लिए इस वातावरण में रख सकेंगे।

**H2 माता अमृतबाई सभागार** — मदर्स कार्नर : ३ साल से छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। विशेष रूप से बच्चो की आवश्यकतापूर्ति के लिए यहां व्यवस्था की गई है।

**H3 स्वामी सत्य प्रकाश सभागार** — विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं सत्ता बिन्दु प्रस्तुतिकरण (पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन) : इस हॉल में वेद में विज्ञान, वेद में उपस्थित विभिन्न विषयों जैसे-सृष्टि विज्ञान, कृषि विज्ञान, यज्ञ चिकित्सा, यज्ञ विज्ञान, पाखण्ड खण्डन, वेदों के सम्बन्ध में भ्रान्तियों का निवारण, आर्यों का आदि देश, आर्यसमाज के नियमों पर ख्याति प्राप्त विद्वानों एवं इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा चर्चा तथा प्रस्तुति की जाएगी।

**H4 पं. गंगाप्रसाद उपाध्याय सभागार** — विषयानुसार व्याख्यानमाला : इस सभागार में आर्यसमाज, वैदिक धर्म एवं विभिन्न सिद्धान्तों से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यानों की प्रस्तुति।

**H5 पं. गुरुदत्त विद्यार्थी सभागार** — प्रतिदिन विभिन्न आयु वर्गों हेतु प्रतियोगिताएं : इस हॉल में ५ वर्ष से लेकर सभी आयुवर्ग के आर्यजनों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जो कि अलग-अलग समय एवं वर्ग के अनुसार होगी।

**H6 आचार्य बलदेव सभागार** — 25 - 26 अक्टूबर : योग की सार्थकता महिलाओं/बच्चों/ अभिभावकों के लिए' विषय पर विशेष चर्चा बच्चों के लिए विशेष प्रकाशित अंग्रेजी साहित्य का परिचय

27-28 अक्टूबर : यज्ञ विज्ञान संगोष्ठी : समस्त भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान का आधार वेद है। युवाओं एवं छात्रों के लिए वेदों में विज्ञान, यज्ञ पर वैज्ञानिक शोध और उनके परिणाम, यज्ञ द्वारा पर्यावरण पर प्रभाव, आर्यसमाज के सिद्धान्त एवं मान्याएं, आर्यसमाज द्वारा विश्व कल्याण के लिए किए गए कार्यक्रम इत्यादि विषयों पर चर्चा की जाएगी एवं ऑडियो विजुअल कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

**H7 विशुद्धा सभागार** — विश्वमार्यम् सभागार - विशुद्धा : इस हॉल में आर्य समाज की विचारधारा को विश्वव्यापी बनाने, विश्व में फैलाने, आर्य समाज के इतिहास, साहित्य को सुरक्षित रखने, विश्व भर में फैले आर्यसमाज से जुड़े महानुभावों को एक दूसरे के निकट लाने के लिए आधुनिकतम तकनीकों का इस्तेमाल करके जिन योजनाओं का निर्माण किया गया है तथा जिनका लोकार्पण इसी ऐतिहासिक महासम्मेलन में किया जाना है उनके बारे में आगन्तुक आंजनों को अलग-अलग समय में विभिन्न योजनाओं को अलग-अलग समय में विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बताने के लिए आर्य समाज के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा सत्ता बिन्दु प्रस्तुतिकरण (पी.पी.टी) किया जाएगा। इस हॉल में लोग स्वयं इंटरनेट का प्रयोग करके वैदिक रैफरेंस लाइब्रेरी (सन्दर्भ पुस्तकालय), अभिलेखागार, आर्य सूचना केन्द्र वैब पोर्टल एवं अन्य आकर्षक योजनाओं को स्वयं देख सकेंगे।

**H8 ब्र० राजसिंह आर्य सभागार** — प्रदर्शनी इस हॉल में विभिन्न विषयों को चित्रों के माध्यम से जैसे - वेद के ऐतिहासिक सन्दर्भ, महर्षि दयनन्द का जीवनवृत, नशा, शाकाहार, पशुवध, गौहत्या, आर्य समाज के दर्शनीय प्रेरक स्थल, महर्षि दयानन्द के स्मृति स्थल, विभिन्न भाषाओं के सत्यार्थ प्रकाश, डाक टिकटें, क्रान्तिकारी एवं महापुरुषों के चित्र, आदि ऐतिहासिक सन्दर्भों पर विशिष्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इसी के साथ सत्यार्थ प्रकाश के ताम्रपत्रों पर खुदे संस्करणों का भी प्रदर्शन होगा।

**H9 पं. रामचन्द्र देहलवी सभागार** — शंका समाधान सत्र : इस हॉल में वेद सत्यार्थ प्रकाश, यज्ञ, ईश्वर, कर्मफल, सृष्टि उत्पत्ति, दर्शन, आदि विषयों पर अलग-अलग समय पर विभिन्न उच्चकोटि के विद्वानों के सत्र होंगे, जिनमें जिज्ञासुजन अपनी शंकाओं का समाधान पा सकेंगे।

**H10 महात्मा नारायण स्वामी सभागार** — 25- 26 अक्टूबर : आर्ष गुरुकुल प्रणाली पर विशेष चर्चाएं
27- 28 अक्टूबर : द्वि दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

**H11 माता चन्नन देवी चिकित्सालय (Mata Channan Devi Hospital)**

**H12 पं. लोकनाथ वाचस्पति सभागार** — विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगठनों एवं आर्यसमाज के इतिहास की सच्ची अनछुई घटनाओं का मंचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगीत प्रस्तुतिः इस हॉल में प्रतिदिन प्रातः 10 से सायं 6 बजे तक आर्य समाज की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं को आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों, आर्यवीर दल-वीरांगना दल, दयानन्द सेवाश्रम संघ, विभिन्न आश्रमों के बच्चों द्वारा विभिन्न विषयों पर सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही इसी हॉल में अन्य कार्यक्रम भी होंगे।

**H13 अमानती घर (Cloak Room)**

**H14 पं. फूलचन्द शर्मा 'निडर' सभागार**
(26-27 अक्तूबर) वैवाहिक परिचय सम्मेलन
(25 एवं 28 अक्तूबर) संगीत व भजनों के निरन्तर कार्यक्रम

**H15 पं. शुक्रराज शास्त्री सभागार** — विभिन्न भाषाएं एवं विदेश परिचयः इस हॉल में विभिन्न देशों में उपस्थित आर्यसमाज के संगठन, गतिविधियों तथा वहां की संस्कृति का परिचय वहीं के आर्यजनों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसी हॉल में विभिन्न भारतीय तथा विदेशी भाषाओं के विद्वान आर्यसमाज की विचारधारा को अपनी-अपनी भाषा में प्रस्तुत करेंगे।

**H16 श्री गुरु विरजानन्द सभागार** — ध्यान एव योग प्रशिक्षण : ध्यान एवं योग आर्यसमाज की धरोहर है। शारीरिक एवं मानसिक उन्नति के लिए विभिन्न प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा ध्यान एवं योग को जीवन में अपनाने के लिए अभ्यास एवं निर्देशन किया जाएगा।

**H17 पं. आशानन्द सभागार** — पं. आशानन्द जी मैजिक लालटेन (मूवी हॉल) : इस हॉल में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक विचार टी.वी. द्वारा निर्मित आर्यसमाज, महर्षि दयानन्द, विभिन्न महापुरुषों के जीवन, परिवार एवं समाजोपयोगी विषयों पर निर्मित विभिन्न वृत्तचित्रों, लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

**H18 पं. लेखराम सभागार** — लेखक मंच : इस हॉल में आर्यजगत के विभिन्न लेखकों द्वारा प्रकाशित की गई पुस्तकें, एवं शोध कार्यों पर लेखकों द्वारा अपनी-अपनी प्रस्तुति एवं परिचय दिया जाएगा। आर्य लेखकों की गोष्ठी का कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

**H19 मोहनलाल मोहित सभागार** — विदेशी प्रतिनिधियों के लिए संवाद कक्ष : प्रवेश केवल विदेशी प्रतिनिधियों के लिए। इस हॉल में विदेश से आए अतिथियों में आपसी संवाद और उनके अपने-अपने देश में आर्यसमाज द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

-: निवेदक :-

| महाशय धर्मपाल | सुरेशचन्द्र आर्य | प्रकाश आर्य | धर्मपाल आर्य | विनय आर्य | विद्यामित्र ठुकराल |
|---|---|---|---|---|---|
| अध्यक्ष स्वागत समिति | प्रधान सा.आ.प्र.सभा | मंत्री सा.आ.प्र.सभा | सम्मेलन संयोजक प्रधान-दि.आ.प्र.सभा. | महामन्त्री दि.आ.प्र.सभा. | कोषाध्यक्ष दि.आ.प्र.सभा. |
| | मो. 09824072509 | मो. 09826655117 | मो. 09810061763 | मो. 09958174441 | मो. 9810072175 |

**सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा**

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1
E-mail : aryasabha@yahoo.com Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

Foto Craf

विशेष नोट : कार्यक्रमों में व्यवस्था एवं आवश्यकता अनुसार परिवर्तन की सम्भवना रहेगी।

**यदि अभी तक सम्मेलन के लिए पंजीकरण नहीं कराया है तो यह फार्म भरकर साथ लेकर आएं**

**सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित**
**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018**
**25-28 अक्तूबर, 2018 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली**

**मुख्य पंजीकरण फार्म**

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....

नाम.....

पिता/पति का नाम .....

मोबाइल .....व्हाट्एप्प.....

फोन (नि.) .....(कार्या.).....

ई-मेल .....

पूरा पता .....

.....

राज्य .....देश .....पिन ☐☐☐☐☐☐

शैक्षिक योग्यता (अन्तिम): .....

व्यवसाय: व्यापार ☐ सेवारत ☐ सेवानिवृत ☐ अन्य ☐

यदि सेवारत हैं तो पद .....

संस्था का नाम-पता.....

.....

सम्बन्धित आर्यसमाज/संस्था का नाम .....

क्या आप भविष्य में सभा द्वारा भेजी गई सभी सूचनाओं के SMS/Whatsapp अपने दिए गए मोबाईल पर प्राप्त करना चाहेंगे? हां ☐ नहीं ☐

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

---

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....

नाम.....

दिनांक ..... समय .....

(हस्ताक्षर कार्यालय प्रतिनिधि)

**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर**

**उच्च आयवर्ग व उच्च शिक्षित प्रोफेशनल आर्य परिवारों एवं सामान्य परिवारों के लिए**

## 21-22वां आर्य परिवार वैवाहिक परिचय सम्मेलन

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में 21वां सम्मेलन उच्च आय वर्ग एवं उच्च शिक्षित प्रोफेशनल युवक युवतियों के लिए तथा 22वां आर्य परिवार युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के अवसर पर सम्मेलन स्थल - स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर-10, रोहिणी नई दिल्ली में 26-27 अक्तूबर को प्रात: 10 बजे किया जाएगा।

समस्त आर्य परिवारों से अनुरोध है कि अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के आर्य परिवारों से सम्बन्ध जोड़ने के लिए परिचय सम्मेलन में शीघ्रातिशीघ्र पंजीकरण कराने का कष्ट करें। **उच्च वर्ग के लिए पंजीकरण शुल्क 800/- रुपये** एवं **सामान्य वर्ग के लिए पंजीकरण शुल्क 300/-** है। पंजीकरण फॉर्म **www.thearyasamaj.org** से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन हेतु पंजीकरण फार्म पूर्ण विवरण के साथ **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम वर्गानुसार राशि **800/- अथवा 300/- रुपये** का डिमाण्ड ड्राफ्ट संलग्न भेजें अथवा 'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम **खाता संख्या 910010001816166 IFSC - UTIB0000223 एक्सिज बैंक करोल बाग शाखा** में जमा कराकर रसीद फार्म के साथ भेंजे। सम्मेलन स्थल पर तत्काल पंजीकरण की भी व्यवस्था रहेगी। आप अपना/अपने बच्चों का पंजीकरण **www.matrimony. thearyasamaj.org** पर ऑनलाईन भी कर सकते हैं। सम्मेलन में पधारने वाले प्रत्येक महानुभाव का को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। कृपया सुरक्षा कारणों से अपने साथ अपना मूल आधार कार्ड अथवा कोई भी सरकारी पहचान पत्र के साथ स्यवं हस्ताक्षरित दो फोटो प्रति अवश्य साथ लाएं। ध्यान दें बिना अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पंजीकरण कराए सम्मेलन स्थल पर नहीं पहुंचा जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

**अर्जुनदेव चड्ढा, राष्ट्रीय संयोजक** (मो. 9414187428)
**श्रीमती विभा आर्या, संयोजिका** ( मो. 9873054398)

## वर्तमान शिक्षा और वेद द्वि दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय(सान्ध्य) संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में समायोजित द्वि दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी 27-28 अक्टूबर 2018 स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली में आयोजित की जा रही है। जिसका विषय है - वर्तमान शिक्षा और वेद। इस अवसर पर निम्न विषयों पर विद्वानों एवं शोध छात्रों के मौलिक शोध-पत्र सादर आमन्त्रित हैं- 1. कम्प्यूटर में संस्कृत की प्रासंगिकता, 2. आधुनिक शिक्षा में वेद का महत्त्व 30 यज्ञ विज्ञान एवं पर्यावरण 4. वैदिक राष्ट्रवाद और महर्षि दयानन्द। संगोष्ठी हेतु आवश्यक निर्देश- 1. शोधपत्र इस ईमेल डी पर भेजें - sktintconference @gmail.com 2. पंजीकरण प्रक्रिया- आपको पंजीकरण दो जगह (3.1, 3.2) करवाना होगा। 3 शोध संगोष्ठी हेतु पंजीकरण करवाने का ऑनलाइन लिंक https: dpcs.gppg;e.com/forms/d/e/1FAIQLSfpAMjlwODfe3NZ wnysd53j_ZUTHutMSgLmLr-8kie7aVc36Q/viewform है।इस लिंक पर जाकर अतिथि, प्राध्यापक एवं शोधार्थी अपना पंजीकरण (जानकारी दें) अवश्य करें। यह अत्यावश्यक है। इस पंजीकरण में आपको अपनी जानकारी देनी है, यहां कोई शुल्क जमा नहीं करना। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें- डॉ. अंकुर त्यागी मो 9971988058, डॉ. राजेश कुमार मो. 9891526584, श्री विमलेश त्रिपाठी मो 9871555810

**-डॉ. सत्यकाम शर्मा, संगोष्ठी संयोजक**

**शोक समाचार**

## इं. हजारी लाल आर्य जी का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के पूर्व प्रधान, उदारमना समाजसेवी, महादानी इंजी. बाबू हजारीलाल जी 90 वर्ष की आयु में 1 अक्टूबर 2018 को हरिद्वार में अकस्मात निधन हो गया। वे वर्ष 2005 -08 व 2011-14 तक दो बार सभा के प्रधान रहे। उनकी स्मृति शान्ति सभा 12 अक्टूबर को हुई जिसमें बड़ी संख्या में आर्यजनों एवं अनेक अन्य संस्थाओं के अधिकारियों ने भाग लिया।

## श्री देवराज आर्य का निधन

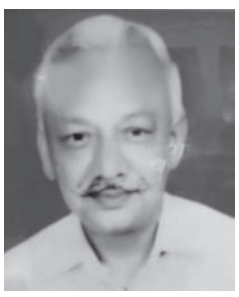

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के पूर्व प्रधान, वर्तमान में छाया प्रधान एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के उपमन्त्री श्री देवराज आर्य जी का 5 अक्टूबर अकस्मात निधन हो गया। उनकी स्मृति में शान्ति सभा आर्य समाज ज्वालापुर, हरिद्वार में 9 अक्टूबर को हुई जिसमें प्रान्त के सभी क्षेत्रों से पहुँचे आर्यजनों ने श्रद्धांजलि दी।

सभा प्रधान डॉ विनय विद्यालंकार ने श्री देवराज आर्य जी के सरल स्वभाव व आर्यसमाज के प्रति निष्ठा एवं लगन की चर्चा करते हुए कहा कि आर्य जी का असमय जाना संगठन की अपूरणीय क्षति है, अन्तर्राष्ट्रीय आर्यमहासम्मेलन के लिए जिस उत्साह के साथ आर्य जी प्रचार एवं धनसंग्रह में लगे हुए थे वह उसी क्रम में अपने डेंगू ज्वर को सामान्य ज्वर मानकर उपचार लेरहे थे जबकि डेंगू बिगड़ जाने से चिकित्सक उन्हें बचा नहीं पाए। उनकी स्मृति सभा में बड़ी संख्या में आर्यजनों ने पहुंचकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

**दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक**

**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली**

## पधारने वाले आर्य महानुभाव कृपया ध्यान दें
## आधारकार्ड/पहचान पत्र की प्रति अवश्य ही साथ रखें

सम्मेलन में पधारने वाले महानुभाव के लिए सूचनार्थ है कि महासम्मेलन की सुरक्षा व्यवस्था एवं दिल्ली पुलिस के निर्देशानुसार प्रत्येक व्यक्ति महिला/पुरुष एवं बच्चों को **आधारकार्ड** साथ लाना अनिवार्य है। आपसे निवेदन है कि कृपया अपने आधार कार्ड की 2 फोटो प्रति (दोनों ओर की एक ही कागज पर) कराकर साथ रखें। एक कॉपी पर अपना नाम एवं मो. नं. साफ-साफ अक्षरों में लिखकर अपने हस्ताक्षर करके पंजीकरण काउंटर पर दें, जिससे पंजीकरण में आसानी हो। तथा दूसरी प्रति अपने पास रखें। ऐसे महानुभाव जिनके पास आधार कार्ड न हो वे अपने साथ सरकार द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र-वोटर कार्ड, लाइसेंस, पासपोर्ट आदि की फोटो प्रति साथ लेकर आएं।

***- सम्मेलन संयोजक***

## महासम्मेलन में पधारने वाले आर्यजन
## कृप्या अत्यावश्यक रूप से ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर यदि आप सम्मेलन स्थल मैदान में ही बनें आवासों में ठहरने की व्यवस्था चाहते हैं तो कृपया ध्यान दें -

1. सम्मेलन में प्रवेश का अधिकार आयोजकों के पास पूर्ण रूप से सुरक्षित है।

2. सम्मेलन में पधारने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। सम्मेलन स्थल पर भी पंजीकरण की सुविधा होगी।

3. सम्मेलन में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मेलन स्थल के पंजीकरण कार्यालय से पहचान पत्र एवं कलाई बैज दिया जाएगा। उसे पहनना और चारों दिन अनिर्वाय रूप से धारण करना अत्यावश्यक है।

4. सम्मेलन के पहचान पत्र/कलाई बैज के बिना पाए जाने वाले व्यक्ति को सम्मेलन के किसी भी सभागार/पण्डाल/भोजनालय आदि में कहीं भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा तथा सम्मेलन स्थल से बाहर किया जा सकता है।

5. अपने आधारकार्ड/कोई भी सरकारी पहचान पत्र की फोटो प्रति एवं मूल प्रति साथ रखें। आधारकार्ड/पहचान पत्र की दोनों तरफ की फोटो प्रति मोबाईल नं. एवं हस्ताक्षर करके साथ रखें। सुरक्षा अधिकारी/सम्मेलन कार्यकर्ता के मांगे जाने पर पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य है।

6. सुरक्षा नियमों का पालन करें। कार्यकर्ताओं/सुरक्षा कर्मियों का पूर्ण सहयोग करें। व्यवस्था बनाए रखें।

7. सम्मेलन स्थल पर किसी भी प्रकार का नुकीला सामान जैसे - चाकू, छुरी, हथियार (लाइसेंसी) को बिना किसी पूर्वानुमति से नहीं रखा जा सकेगा। इसी प्रकार पटाखे, नशीले पदार्थ, गुटखा, बीड़ी, तम्बाकू उत्पाद लाना एवं प्रयोग करना पूर्णत: वर्जित है।

8. सम्मेलन के दिनों में रात्रि का मौसम हल्की ठंड वाला होगा। अत: अपने ओढ़ने एवं बिछाने के लिए सामान्य चादर या पतला कम्बल अवश्य साथ लाएं, जिससे आपको सुविधा हो।

9. अपने साथ कम से कम सामान लाएं। कीमती सामान न लाएं। अपनी सुरक्षा का स्वयं ध्यान रखें। अपने ग्रुप के अतिरिक्त सम्मेलन स्थल से बाहर किसी भी अनजान व्यक्ति से कोई खाने-पीने का सामान न लें।

10. सम्मेलन में कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति आपकी ही तरह कार्यकर्ता हैं, जोकि यहां आपकी सेवा के लिए आए हैं। इतने बड़े कार्य में कुछ भूलें होना कुछ कमियां स्वाभाविक हैं। कृपया उन कमियों, न्यूनताओं को दूर करने में सहयोगी बनें। आपके सहयोग से यह महासम्मेलन सफलतम आयोजनों में से एक हो सकता है।

7. जो महानुभाव ग्रुप में आ रहे हैं। वे अपने ग्रुप लीडर का नाम, पता, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची संलग्न फार्म के अनुसार बनाकर आवास समिति के नाम सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें अथवा **श्री विपिन भल्ला जी को 9540086759 पर व्हाटसएप्प** करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके।

जो व्यक्ति एक साथ, एक ही साधन से एक ही समय पर पहुंच रहे हैं, उसे ही ग्रुप कहा जाएगा। अत: यदि आप एक ही संस्था/आर्यसमाज के सदस्य होने पर भी अलग-अलग समय/साधन से आ रहे हैं तो उसके लिए पृथक से ग्रुप लीडर बनाएं और उसी के हिसाब से पधारने वाले सज्जनों की सूची भेजें।

*- संयोजक, आवास*

**आवास/ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था हेतु सूचना का प्रारुप**

1. ग्रुप लीडर का नाम : .....
2. मोबाईल नं. : .....
3. स्थान : .....
4. राज्य ..... .....
5. व्यक्तियों की संख्या .....
6. ट्रेन नं. एवं नाम .....
7. आगमन स्थान : .....
8. आगमन की तिथि एवं समय: .....
9. स्टेशन से वापसी : .....
10. वापसी की तिथि एवं समय : .....
11. वापसी ट्रेन नं. एवं नाम : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर

## रेल यात्रा से पधारने वाले आर्यजनों के लिए
## ट्रांस्पोर्ट (यातयात) व्यवस्था : कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर दिल्ली पधार रहे समस्त आर्यजनों की सुविधा हेतु सूचित किया जाता है कि महासम्मेलन आयोजन समिति की ओर से **ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था** केवल **24 अक्तूबर की प्रात: से 25 अक्तूबर देर रात्रि तक** केवल और केवल दिल्ली के **प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनन्द विहार, सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों** से ही यात्रियों को महासम्मेलन स्थल - **"स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी दिल्ली-85"** तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध होगी। आप कहां से, कब, कितने बजे किस स्टेशन पर पहुंच रहे हैं इसकी सूचना अपने ग्रुप लीडर के माध्यम से ग्रुप लीडर के नाम, पते, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अथवा **श्री विपिन भल्ला जी को 9540086759 पर व्हाटसएप्प** करें। सूचना देने के लिए फार्म नीचे दिया गया है

अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके। **वापसी में** भी इसी प्रकार **केवल 28 अक्तूबर की प्रात: से देर रात्रि तक** सम्मेलन स्थल से रेलवे स्टेशनों तक ही ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था उपलब्ध होगी। आर्यजन इस सेवा का लाभ उठावें।

**कृपया नोट करें** - दिल्ली के बस अड्डों से यात्रियों के लाने-ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। बसों से आने वाले आर्यजन दिल्ली मैट्रो सुविधा का प्रयोग करें।

### टांस्पोर्ट हेतु इन साधनों का भी प्रयोग कर सकते हैं

**दिल्ली मैट्रो :** सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली/पुरानी दिल्ली/आनन्द विहार/सराय रोहिल्ला एवं अन्तर्राज्यीय बसअड्डे कश्मीरी गेट, आनन्द विहार पर मैट्रो सुविधा उपलब्ध है। आप अपने निकटतम मैट्रो स्टेशन से रोहिणी वैस्ट का टोकन लेकर सम्मेलन स्थल पहुंचें। निजामुददीन रेलवे स्टेशन या सराय कालेखां बस अड्डे पहुंचने वाले आर्यजन वहां से प्रगति मैदान मैट्रो स्टेशन पहुंचकर सम्मेलन स्थल पहुंच सकते हैं। (मैट्रो में अधिकतम किराया 60/- है)

**ओला/उबर कैब :** अपने स्मार्ट फोन में OLA App या UBER App डाउनलोड करें। अपनी लोकेशन सैट करें और कार बुक करके सम्मेलन स्थल पहुंचें अधिकतम 4 लोगों के लिए बिल अनुसार किराया उचित।

**ओटो :** रेलवे स्टेशन/बस अड्डे से कोई भी ओटो लेकर सम्मेलन स्थल पहुंचे।

**प्रीपेड टैक्सी :** किसी भी रेलवे स्टेशन/बस अड्डे से प्री-पेड टैक्सी/ओटो लेकर भी उचित किराये के साथ सम्मेलन स्थल पहुंचा जा सकता है। (अधिकतम चार लोग)

*- संयोजक, यातायात समिति*

## ठहरने के लिए क्या आप 'होटल' चाहते हैं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आप की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। आप सभी का सहर्ष स्वागत है। आप इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में आएँ और अन्यों को इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर यदि आप ठहरने के लिए होटल में आवास सुविधा चाहते हैं तो संयोजक समिति द्वारा कुछ होटलों में सशुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सामान्य होटल में मैट्रो के निकट, रोहिणी क्षेत्र में 2 स्टार ओयो रुम सम्मेलन स्थल से 2 किमी क्षेत्र में तथा 3 स्टार होटल सम्मेलन स्थल से 3-4 किमी की दूरी पर हैं। होटल शुल्क (सभी करों सहित) इस प्रकार है-

**सामान्य होटल :** 1500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

**2 स्टार ओयो रुम :** 2000/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

**3 स्टार (विद ब्रेक फास्ट) :** 3500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

यदि आप कमरे में तीसरे बैड की व्यवस्था चाहते हैं तो अतिरिक्त शुल्क पर बैड उपलब्ध हो सकेंगे। उसके लिएग आप स्वयं होटल में बात कर लें। अनुमानित रूप से तीसरे बैड के लिए सामान्य होटल में 300/-, 2स्टार में 500/- तथा 3 स्टार में 800/- रुपये में देय होंगे। अतिरिक्त बैड की ये दरें अनुमानित हैं। इसके लिए आप स्वयं अपने आबंटित होटल में पहुंचकर बात करें।

सभी होटल पूर्णत: ए.सी., अटैच टॉयलेट और आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। यदि आप सुविधा का लाभ उठाना चाहते है तो देय राशि का बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर अपने नाम, पता एवं दूरभाष सहित पूर्ण विवरण पत्र द्वारा सम्मेलन कार्यालय को भेजें।

नोट : आप स्वयं भी रोहिणी, पीतमपुरा, शालीमार बाग एवं आस-पास के क्षेत्रों में धर्मशाला/होटला ओयो रुम विभिन्न बैवसाइटों के माध्यम से बुक करा सकते हैं आप द्वारा स्वयं बुक कराने से सम्भव है कुछ कम राशि में बुकिंग हो सके।

*- संयोजक, आवास समिति*

सोमवार 15 अक्तूबर, 2018 से रविवार 21 अक्तूबर, 2018
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 18-19 अक्तूबर, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 17 अक्तूबर, 2018

## अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

### स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी, दिल्ली - 110085

# दिल खोलकर सहयोग करें

*प्रतिष्ठा में,*

नई दिल्ली के स्वर्णजयन्त पार्क (जापानी पार्क) रोहिणी सै. 10 में 25 से 28 अक्टूबर-2018 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में बहुत बड़ा सम्मेलन होगा। इस महासम्मेलन में दुनिया के 32 देशों से 5000 से अधिक आर्य प्रतिनिधियों के साथ सम्पूर्ण देश से 2 लाख से अधिक आर्य जनों के इसमें पहुँचेंगें। महासम्मेलन में आने वाले प्रत्येक आर्य के लिए सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए आप सबका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। सभी आर्यजनों, आर्य संस्थाओं, आर्य समूहों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं और आर्य महिला सभाओं/ संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018"** के नाम बनाकर भेजने की कृपा करें। यह सम्मेलन आप का है और आप के सहयोग से ही यह हर प्रकार से अद्वितीय बन सकता है। कृपया अपनी सहयोग राशि **'संयोजक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन,15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।**

दानी महानुभाव अपनी दान/सहयोग राशि सीधे महासम्मेलन के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं। बैंक खाते का विवरण इस प्रकार है -

**"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018"**

| State Bank of India | Axis Bank | ICICI Bank |
|---|---|---|
| A/c No. 37815923237 | A/c No. 918010068587610 | A/c No. 663701700794 |
| IFSC Code : SBIN0001639 | IFSC Code : UTIB0002193 | IFSC Code : ICIC0006637 |

कृपया अपनी दानराशि जमा कराते ही अपनी डिपोजिट स्लिप अपने नाम, पते एवं मो. नं. के साथ तत्काल रूप से श्री अशोक कुमार जी (9540040322) अथवा श्री मनोज नेगी जी (9540040388) को व्हाट्सएप्प कर दें, जिससे आपको राशि की रसीद भेजी जा सके।

*- सम्मेलन संयोजक*

## अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

### प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम
25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

**ध्यान एवं योग साधना-योग साधना मंच**
प्रात: 5-15 बजे से 6-30 बजे तक
ध्येय - व्यक्तित्व विकास और जीवन में शान्ति के लिए योगासन एवं प्राणायाम को अपनायें

**आर्य वीर दल शाखा-आर्य वीर दल मंच**
प्रात: 6-30 बजे से 7-30 बजे तक
ध्येय - बालक-बालिकाओं को सुसंस्कारित करने हेतु ग्राम-ग्राम तक आर्यवीर दल की शाखा का विस्तार करें

**प्रात: कालीन संध्या एवं वृहद् यज्ञ**
प्रात: 7-40 बजे से प्रात: 9-15 बजे तक
ध्येय - मानव जीवन की उन्नति एवं मोक्ष प्राप्ति-पंच महायज्ञ द्वारा

**भजन, आध्यात्मिक प्रवचन एवं ध्यान**
(मुख्य मंच से)
प्रात: 9-15 बजे से 10-0 बजे तक

**सायं कालीन वृहद् यज्ञ, संध्या एवं ध्यान**
(केवल 25,26,27 अक्टूबर 2018)
सायं 4-30 बजे से 5-30 बजे तक
ध्येय - संध्योपासना से जीवन की उन्नति

**पूर्णकालिक यज्ञ - लघु गुरुकुल**
प्रतिदिन प्रात: 9-30 बजे से सांय 4-30 बजे तक


**94 साल की उम्र में भी जब मेरे दांत ठीक रह सकते हैं तो आपके क्यों नहीं ?**

एम डी एच
**दंत मंजन**
लौंग युक्त
(बिना तम्बाकू के)

**23 जड़ी बूटियों एवं अन्य पदार्थों से निर्मित आयुर्वेदिक दंत मंजन**

यह दंत मंजन ही नहीं दांतों का डाक्टर है।

महाशय धर्मपाल, चेयरमैन, एम.डी.एच. (प्रा0) लि0

इसके सुबह - शाम नियमित प्रयोग से दांतों का दर्द, पायेरिया, मुंह की दुर्गन्ध, मसूड़ों की सूजन, रक्त बहना, ठण्डा गरम पानी लगना, दांतों में जमी मैल छुड़ाने के लाभ के साथ-साथ दांत सारी उम्र चलें, पूरी तरह सुरक्षित व मजबूत रहें।

इसे नीचे बताई गई प्रयोग विधि अनुसार एक सप्ताह नियमित रूप से इस्तेमाल करें और फर्क महसूस करें। फायदा न होने पर पैसे वापस पायें।

*प्रयोग-विधि* सबसे पहले मुलायम टूथ ब्रश से दांतों में मंजन करें। उसके बाद थोड़ा मंजन बायें हाथ की हथेली पर डालकर अपने दायें हाथ की उंगली से दांतों और मसूडों पर आहिस्ता-आहिस्ता मलें। दांतों के अंदर के हिस्से को भी अपने अंगूठे से मलें। रात को सोने से पहले, सुबह उठने के बाद। अगर दांतों में दर्द होता हो तो दांतों में मंजन करके 10 मिनट के बाद थूक दें, कुल्ला न करें।

ESTD. 1919

महाशियाँ दी हट्टी (प्रा०) लिमिटेड
9/44, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015
फोन नं० 011-41425106-07-08
Website : www.mdhspices.com

शाह जी दी हट्टी
दुकान नं० 6679, खारी बावली,
दिल्ली-110006 फोन नं० 011-23991082


दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह